



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 371]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 11, 1979/भाद्र 20, 1901

No. 371]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 1979/BHADRA 20, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, तारीख 11 सितम्बर, 1979

का०आ० 525(अ) 18ए/प्रो० वि०वि०प्र०/79.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 542(अ)/18ए/प्रो०वि०वि०प्र०/74, तारीख 13 सितम्बर, 1974 द्वारा, अमृतसर शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, अमृतसर नामक औद्योगिक उपक्रम के एक कारखाने अमृतसर भायल वर्क्स, अमृतसर का 12 सितम्बर, 1979 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिए, प्रबन्ध बोर्ड नामक एक व्यक्ति-निकाय को प्राधिकृत किया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 454(अ), तारीख 18 जुलाई, 1978 द्वारा 12 सितम्बर, 1978 तक की अवधि जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए उक्त प्रबंध बोर्ड का स्थान एक नए प्रबंध बोर्ड ने, ले लिया था;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि तारीख 13 सितम्बर, 1974 और 18 जुलाई, 1978 के उक्त दोनों आदेश आगे दो वर्ष की अवधि तक और प्रभावी बने रहें;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न देती है कि उक्त

दोनों आदेश 12 सितम्बर, 1981 तक की अवधि जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए प्रभावी बने रहेंगे।

[फा० सं० 4(3)/74-सी०सी०]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 11th September, 1979

S. O. 525(E)/18AA/IDRA/79.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated the 13th September, 1974, the Central Government had authorised a body of persons known as the Board of Management, to take over the management of Amritsar Oil Works, Amritsar, a factory of the industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Company Limited, Amritsar, for a period of five years upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by order of Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 454(E) dated 18th July, 1978, the said Board of Management was replaced by a new Board of Management for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said two orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978 respectively should continue to have effect for further period of the years;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said two orders continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th September 1981.

[F No. 4(3)/74-CUC]

का० घा० 526(घ)/18वख/प्रौ०वि०वि०अवि०/79—भारत सरकार के पूर्वोक्त औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० घा० 542(घ)/18कक/प्रौ०वि०वि०अ०/74 तारीख 13 सितम्बर, 1974 द्वारा यह प्राधिकृत किया गया था कि, अमृतसर शूगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, अमृतसर नाम औद्योगिक उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है), जहां तक कि उसका संबंध अमृतसर शराब कारखाने, अमृतसर नामक कारखाने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त कारखाना कहा गया है) से है, का प्रबंध 13 सितम्बर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रबंध बार्ड नाम व्यक्ति-निकाय द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के अधीन ग्रहण किया जाए;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० का० घा० 454(घ), तारीख 18 जुलाई, 1978 द्वारा, 12 सितम्बर, 1979 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए उक्त व्यक्ति-निकाय का स्थान एक नए निकाय से ले लिया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० घा० 525(घ), तारीख 11 सितम्बर, 1979 द्वारा, तारीख 13 सितम्बर, 1974 और 18 जुलाई, 1978 के उक्त दोनों आदेश, 12 सितम्बर, 1981 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए प्रभावी बने रहेंगे;

और केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के पूर्वोक्त उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० घा० 566(अ), तारीख 1 अक्टूबर, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि:—

(क) उक्त आदेश का अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिनियमितिया, या यथास्थिति, उनके भाग, उक्त औद्योगिक उपक्रम को, जहां तक उनका संबंध उक्त कारखाने से है, लागू नहीं होंगे;

(ख) सभी प्रवृत्त संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंजाबों, स्थायी आदेशों या लिखतों का (उनको छोड़कर वे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) प्रवर्तन जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है और जहां तक कि वे उक्त कारखाने से संबंधित हैं, या जो उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू हो सकते हैं, और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उत्पन्न होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यात्म और दायित्व, 1 अक्टूबर, 1975 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिए निरन्तर रहेंगे;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० घा० 583(घ), तारीख 29 सितम्बर, 1978 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को, 12 सितम्बर, 1979 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए बढ़ा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि तारीख 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त आदेश की अवधि को, 12 सितम्बर, 1980 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए;

यतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त आदेश की अवधि को 12 सितम्बर, 1980 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए और बढ़ाती है।

[का० सं० 4/3/74-सीपुसी]

बा० राय, संयुक्त सचिव

S.O. 526(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated the 13th September, 1974, the management of the Industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Company Ltd., Amritsar (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) in so far as it relates to the factory known as Amritsar Oil Works, Amritsar (hereinafter referred to as the said factory) was authorised to be taken over by a body of persons known as the Board of Management under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of five years commencing from the 13th September, 1974;

And, whereas, by order of Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 454 (E), dated 18th July, 1978, the said body of persons was replaced by a new body for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 525(E), dated the 11th September, 1979, the said two orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978 continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1981;

And, whereas, by the order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 566(E) dated the 1st October, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that:—

(a) the enactments, or portions thereof, as the case may be, specified in the schedule to the said order shall not apply to the said industrial undertaking in so far as it relates to the said factory and;

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party in so far as they related to the said factory, or which may be applicable to it immediately before the date of publication of the said order in the official gazette and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year commencing from the 1st October, 1975;

And, whereas, by the order of the Government of India in Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 583(E), dated 29th September, 1978, the duration of the said order was extended upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said order dated the 1st October, 1975 should be extended by a further period upto and inclusive of the 12th September, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section(2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said order dated 1st October, 1975 for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1980.

[F. No. 4/3/74-CUC]

B. Roy, Jt. Secy.